MOTION FOR ELECTION TO THE COMMITTEE ON THE WELFARE OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): Madam, I move the following Motion:—

"That this House concurs in the recommendation of the Lok Sabha that Rajya Sabha do agree to nominate one member from Rajya Sabha to the Committee of both the House on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the vacancy caused by the retirement of Shri Dipen Ghosh from the membership of the Rajya Sabha on the 9th July, 1993 and do proceed to elect, in accordance with the system of proportional representation by means of single transferable vote, one member from among the members of House to serve on the said Committee."

The question was put and the motion was adopted.

RE. BOYCOTT OF QUESTION HOUR BY JOURNALISTS

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): मैडम, मैंने कयश्चन आवर के दौरान एक सवाल उठाया था कि प्रेस गैलरी खाली क्यों है, उसका कोई जवाब हम को अब तक नहीं मिला है?

†[نیتا ورودھی دل (شری سکندر بخت: میڈم میں کیشچن اور کے دوران ایک سوال اٹھایا تھا کہ پریس گیلری خالی کیوں ہے - اسکا کوئی جواب ہم کو اب تک نہیں ملا ہے-]

श्रीएच०एच० अहलूवालिया (बिहार): मैडम, ये प्रैस गैलरी खाली क्यों है, यह जानना चाहता है सदन? . . . (व्यवधान)... प्रेस वाले लोकसभा और राज्यसभा का बायकाट क्यों कर रहे हैं? आखिर क्या ग्रीवेंसेस हैं उनके? पूरे कयश्चन आवर में ये गैलरी खाली थी।

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति: Just a minute. Many people have asked for it. (*Interruptions*).

जरा संक्षेप में बोल दीजिए। आपको, जयपाल रेड्डी जी और उनको बोलना है, इसलिए जरा संक्षेप में बोल दीजिए।

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदया, प्रातः संवाददाताओं की गैलरी पूरी खाली थी और जांच करने पर यह पता चला है कि संवाददाता जब इस पार्लियामेंट के सदन में आते हैं राज्यसभा की कार्यवाही कवर करने तो उनको सेक्युरिटी स्टाफ वाले भिन्न-भिन्न प्रकार की तकलीफ व कष्ट देते हैं। जब संवाददाता किसी संसद सदस्य से मिलते हैं तो उनसे यह पूछा जाता है कि आप यहां क्यों मिल रहे हैं? किसी पार्टी के दफ्तर में जाकर अगर वे किसी से मिलकर जानकारी लेने का प्रयास करते हैं तो उनको यह पूछा जाता है कि आप इस पार्टी के दफ्तर में क्यों गए? उनको यह कहा जाता है कि आप को केवल राज्यसभा की गैलरी का पास है, आप पार्लियामेंट हाउस में आते ही सीधे राज्यसभा गैलरी में जाइए और राज्यसभा की गैलरी से सीधे अपने घर जाइए। आप बीच में किसी से बात नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि हिंदुस्तान के संसदीय इतिहास में इतनी आपत्तिजनक घटना कभी हो नहीं सकती। यह इमरजेंसी जैसी स्थिति है कि संवाददाताओं को किसी भी संसद सदस्य से बात करने पर पाबंदी हो, किसी कार्यालय में जाने पर पाबंदी हो। यह बहुत आपत्तिजनक है, इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि जिस किसी ने भी इस प्रकार के आदेश दिए हैं, उस आदेश की जांच हो और यह आदेश तुरंत वापिस लिए जाएं। महोदया, मैं मानता हूं कि सेंट्रल हाल में तो विशिष्ट संवाददाता जा सकते हैं, लेकिन उसके बाहर संवाददाताओं को खुले रूप में राजनीतिक दलों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और संसद सदस्यों से मिलकर, बात कर के जानकारी लेने की अनुमति होनी चाहिए।

This is against the right of the nation, against the right of freedom. This is assault on the fourth estate and also on the third estate.

मुझे लगता है कि संसद में अगर पत्रकारों पर इतना अत्याचार होगा तो बाहर के अत्याचार की बात करने का अधिकार हम खो देते हैं। इसलिए इस विषय में तुरन्त जांच होकर कार्यवाही हो। यह मेरी प्रार्थना है।...(व्यवधान)..

उपसभापति : इधर से भी कुछ बोल रहे हैं।...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : महोदया, यह बात कही गई कि सेन्ट्रल हाल में कुछ संवाददाताओं को जाने की अनुमति है। स्थिति तो यह भी है कि संपादकों तक को रोका जा रहा है, पहले जिन संपादकों को सेन्ट्रल हाल में आने की अनुमति थी और वहां बैठकर वह विशेष जानकारी एकत्रित करते थे। दरअसल यह प्रेस की आजादी पर कुठाराघात है। न केवल संवाददाता यहां का बहिष्कार कर रहे हैं बल्कि कई संवाददाता, जिनको सेंट्रल हाल में आने की कुछ को अनुमति है, वह भी अब बहिष्कार कर रहे हैं। तो इस तरीके से जो संसद सदस्यों से उनको मिलने में व्यवधान पैदा किया जा रहा है, उस रुकावट को दूर किया जाना आवश्यक है और सेंट्रल हाल में आने की जिन संपादकों को इजाजत थी उनको पुनः इजाजत दी जानी चाहिए। साथ ही उन कारणों पर भी जाना चाहिए, जिन कारणों की वजह से प्रेस के लोगों ने अभी कवैरेज आवर का बायकाट किया है और उन कारणों को दूर किया जाना समय रहते आवश्यक है, महोदया।

उपसभापति : जयपाल जी। ...(व्यवधान)...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : कुछ लोगों को ...(व्यवधान)...

उपसभापति : आज बहुत कम समय है, इसलिए जरा जल्दी जल्दी बोल दीजिए, जो बोलना है किसी भी विषय पर।

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, the journalists who boycotted our Question Hour by way of protest are absolutely justified. We are surprised to note that the journalists are being prevented from talking to Members in the corridors. Could there be anything more reprehensible, objectionable and outrageous? Madam, we are told that in addition to Parliament staff, the Intelligence people are also questioning the journalists. I do not know who permitted the Intelligence men to question the journalists who are coming here to cover the proceedings of the Rajya Sabha. I do not know what system has been introduced and whether instructions have been issued by our Secretariat. I suggest that the journalists should be handled only by the Parliament staff. I do not think the Intelligence men should be allowed to talk to the journalists; this is obstructive of their movements. Journalists are not being allowed to come into our party offices located in the Parliament House. This is highly objectionable.

उपसभापति : मिस्टर दिग्विजय सिंह। ...(व्यवधान)...इसमें सभी लोग एक मत हैं।..(व्यवधान)..

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, may I intervene in the matter?...(*Interruptions*)...

SHRI N. E. BALARAM (Kerala): The whole House is unanimous...(*Interruptions*)...

उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब कुछ कह रहे हैं।

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : मैडम, मेरी बात सुन लीजिए, आपने हमें बुलाया है।

उपसभापति : हां, बोलिए। . . (व्यवधान) . . . जरा आप शान्ति से बोलें। होम मिनिस्टर साहब कुछ बताएंगे, चूंकि आपकी सिक्योरिटी का सवाल है, न।

श्री दिग्विजय सिंह : मैडम, पिछले दो-तीन दिनों से लगातार सदन में हम लोग बार-बार सदस्यों के साथ-साथ प्रेस की आजादी का सवाल आपके सामने उठा रहे हैं। यह जानकार हम लोगों को ताज्जुब हुआ कि प्रेस के लोगों से किसी माननीय सदस्य को बात करते देखकर दिल्ली पुलिस के लोग या इंटेलिजेन्स के लोग प्रेस के लोगों से यह सवाल पूछ रहे हैं कि आपकी हिम्मत कैसे हुई संसद सदस्य से बात करने की।

उपसभापति महोदया, यह किस चीज की रिहर्सल हो रही है? मेरी समझ में नहीं आ रहा। प्रेस को हमारे सामने, इस सदन के सामने सदस्यों के सामने पूछा जा रहा है कि आपको हिम्मत कैसे हुई संसद सदस्य से बात करते हुए। महोदया, जब हमने पूछा यहां के वाच एण्ड वार्ड के लोगों से, तो उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं, हम नहीं जानते कि यह कौन लोग हैं? अब, यह किसके जिम्मे हैं पूरा सदन? यह मेरी समझ में नहीं आ रहा है। कहा जाता है कि सारा कुछ लोकसभा के स्पीकर के माध्यम से होता है। आखिर, हम लोग किसके जिम्मे हैं?

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Madam, it is a prison house, it is not Parliament House.

SHRI S. B. CHAVAN: I think, instead of wasting time like this, Madam... I have gone to the Speaker...

...(*Interruptions*)...

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (Uttar Pradesh): This is not wasting the time of the House.

उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब कुछ बता रहे हैं।

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): This is not wasting the time of the House. ...(*Interruptions*)...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): The Home Minister should not say that we are wasting the time of the House.

....(*Interruptions*)...

DR. MURLI MANOHAR JOSHI (Uttar Pradesh): The Leader of the House says that we are wasting the time of the House. This is very, very unfortunate... (*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): Did the Home Minister say that we are wasting the time of the House?

SHRI S. B. CHAVAN: If I have said so, I withdraw it. Madam, may I say something?... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him say what he wants to say.

SHRI S. B. CHAVAN: Yesterday also some issue about the fixing of the cameras here was raised. I have made enquiries into the entire matter. I went to the Speaker, and there I enquired about the whole thing. Surprisingly, I find that everything was communicated to the Rajya Sabha, to the Speaker and to the Chairman. Even in the selection of the instruments required for fixing here, the Rajya Sabha officers were involved. In spite of that, there seems to be some kind of a communication gap, due to which everybody thought that the Government was doing all this. May I make it absolutely clear that niether with fixing the instruments here nor with allowing the people who come inside the complex of the Parliament House has the Government anything to do. We pass on the information either to the Speaker or to the Chairman, and it becomes the responsibility of both these presiding officers to take a decision, whether they would like to allow it or would not like to allow it. So, we have no control over the staff which is in the complex of the Parliament House. I am sorry if the hon. Members are under the impression that the Home Ministry seems

to have taken interest in the matter and that they have been instigating some people to go and ask these questions. I don't think that it is well founded... (*Interruption*)

श्री एल० एस० अहलुवालिया : बहुत सारे सवाल उठते हैं इस बात पर।

(व्यवधान) महोदया, इस बात पर बहुत सारे सवाल उठते है... (व्यवधान)..

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. Just a minute. Let me clear one thing, please.एक मिनट एक मिनट (व्यवधान) I will permit you. Please, one thing I want to say. I want to say to the Leader of the Opposition that I am Deputy Chairman of the House. I preside over it the whole day. I have no information about this... (*Interruptions*)

I am saying about myself. I will find it out from the Secretariat. But, I was not informed by the Secretariat. That is the reasons why... (*Interruptions*)

Just a minute, please. Don't interrupt me, please. It is a matter with the Chair. I and our Vice-Chairmen preside over the House the whole day. The matters of such nature are raised only after twelve o'clock, after the question Hour. When I said yesterday that I was not aware of it, I was absolutely right in saying so, and I stand by it that I was not informed of it by anybody.

SHRI YASHWANT SINHA: We were also not informed of it... (*Interruptions*)

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): The question is that none of the party leaders was informed of it. The hon. Home Minister says that the Secretariat knows about it. Our question is that none of the party leaders was informed of it. It cannot be that the Secretariat of Rajya Sabha knows about it because none of the party leaders knows about it. It is a matter of the House. I am not aware of it. May be, the Chairman knows about it, but none of the party leaders knows about it... (*Interruptions*)

Our question is that we should have been involved in the process.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, एक बात बहुत जरूरी है। ... (व्यवधान)...

†[شری سکندر بخت: صدر صاحبہ۔ ایک بات بہت ضروری ہے۔ (مداخلت)]

SHRI S. B. CHAVAN: I would like to clarify it... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now we are talking of something else.

SHRI S. B. CHAVAN: Let me say something... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute.

SHRI S. B. CHAVAN: If there is a communication from the Speaker to the Chairman and if there is a communication gap about the information sent by the Speaker between the Chairman and the Deputy Chairman and their office, certainly we do not have anything to say about it. But, the procedure is—I do not know whether I should say this but it is ultimately up to them to take a decision—when such a communication is received, we have the General Purposes Committee to look into it. These are matters which can be placed before the General Purposes Committee, saying that this communication has been received and asking on what lines it should be proceeded.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, आपके जरिए मैं लीडर आफ दि हाउस से दरख्वास्त कर रहा हूं कि जिन लोगों ने आज प्रेस वालों से बात की है, वे लोक सभा और

+[ ] Transliteration in Arabic Script.

+[ ] Transliteration in Arabic Script.

[श्री सिकन्दर बख्त]

राज्य सभा को सिक्यूरिटी स्टाफ स अलदा लोग हैं, किस महकमे से ताल्लुक है उन लोगों का ? ब पार्लियामेंट की सिक्युरिटी स्टाफ के अलावा लोग हैं, वे कौन लोग हैं ? वे कौन हैं, पता तो लगना चाहिए ? ..(व्यवधान)...

†[شری سکندر بخت: صدر صاحبہ-

سیں لیڈر آف دی ھوس سے درخواست کر رہا ہوں - کہ جن لوگوں نے آج پریس والوں سے بات کی ہے - وہ لوگ سیبا اور راجیہ سبھا کی سکیورٹی اسٹاف سے علیحدہ لوگ ہیں - کس محکمے سے تعلق ہے ان لوگوں کا - جو پارلیمنٹ کی سیکورٹی اسٹاف کے علاوہ لوگ ہیں وہ کون لوگ ہیں - وہ کون ہے پتہ لگنا چاہئے - ...(مداخلت)-

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, let me make one announcement. Please, let me make one announcement. Please, just a minute.

I have been informed by the Secretariat that the Chairman is concerned about the matter about press people. He says he will speak to the Speaker, because it is perhaps the Speaker who takes care of the House and the Parliament. (*Interruption*)

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He will come and inform the House. And if he asks me to inform, I will inform the House. (*Interruptions*)

SHRI KAMAL MORARKA: Madam, kindly listen to my point of order. You may overrule it, but listen to me. My point of order is that after the reply of the Home Miniser the Government has no *locus standi* in the matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Even yesterday, when Mrs. Alva said it, we did not put the Government into it.

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

SHRI KAMAL MORARKA: We do not want the Government's reaction. The Government has nothing to do in this matter. Instead of digressing into the techincalities, the issue is far more fundamental. The issue is even if the hon. Speaker has taken certain decisions on the basis of security, he is also capable of taking a rather extreme view. If there are people in the Parliament House who are obstructing the very functioning of the Members and the Press, not only we feel strongly about it, but I do not think we will accept that position. We on this side are prepared, if you adjourn the House, to go in a delegation to the Speaker. I want to know, as a point of order, what recourse do we have? The Speaker does not come to the House. The Speaker has communicatel to the Chairman. The Speaker's decision is not acceptable to us. Please tell us the forum by which the Members of the House can place their grievances in front of the Speaker. If you adjourn the House we are prepared to go in a delegation to the Speaker.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I just now said that the Chairman will speak to the Speaker. I have told you. And whatever the Chairman tells me I will inform.

SHRI YASHWANT SINHA: I will make a suggestion. Please convey to the Chairman kindly that an urgent meeting of the General Purposes Committee of the House should be convened where we must be able to discuss all these matters and sort them out as far as this House is concerned.

श्री सिकन्दर बख्त : एक सवाल जो मैंने बहुत जरूरी किया था कि पार्लियामेंट के सिक्योरिटी के अलावा जो लोग यहां फंक्शन कर रहे हैं और जिन्होंने प्रेस वालों को रोका वह कौन हैं ? यह तो मालूम होना चाहिए हमको ? यह कहा जाता है कि दिल्ली पुलिस के लोग यहां घूम रहे हैं, तो हमको पता चलना चाहिए कि वह किसके हुकम से घूम रहे हैं ?

†[شری سکاندر بخت : ایک سوال جو میں نے بہت ضروری کہا تھا کہ پارلیمنٹ کے سیشن کے علاوہ جو لوگ یہاں فاکشن کر رہے ہیں اور جنہوں نے پریس والوں کو روکا وہ کون ہیں - یہ تو معلوم ہونا چاہئے ہم کو - یہ کہا جاتا ہے کہ دلی پولس کے لوگ یہاں گھوم رہے ہیں تو ہمکو پتہ چلنا چاہئے کہ وہ کس کے حکم سے گھوم رہے ہیں -]

श्री प्रमोद महाजन : मैडम, होम मिनिस्ट्री की ओर से इंटेलिजेंस और दिल्ली पुलिस के कितने लोग हैं और कितने स्टीकर को उधार दिए गए हैं, उसकी संख्या तो आप बता सकती हैं ?

On Speaker's request how many intelligence and Delhi Police people are allowed to enter into the Parliament House? That information somebody can give. How many people are there (*Interruptions*) Madam, I am asking a pointed question. (*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Madam, there is a General Purposes Committee meeting of the Lok Sabha today. (*Interruptions*) One minute, please. Let me finish. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please. She has a right to speak in the House as much as you have.

SHRIMATI MARGARET ALVA: I would suggest that we will ask the Chairman to speak to the Speaker and have a joint meeting of the committees of both the Houses so that all of us can be present in that meeting and whatever clarifications of differences of opinion there are can be sorted out. When the Committees of both the Houses meet together in the afternoon, during that meetings let us sort out all these issues instead of creating a controversy. Let us sit together and sort it out. All the representatives will be there.

SHRI MURLI MANOHAR JOSHI: Madam, Mr. Pramod Mahajan raised very pointedly and specifically a question as to how many persons from the Delhi Police or the Intelligence Department have been requisitioned by the Speaker and have been permitted by the Home Ministry. (*Interruptions*) Secondly, who are the persons who are trying to intimidate the pressmen. Number three....

उपसभापति : यहां सवाल यह है, देखिए, 5 लोग हैं पुलिस के या 5 हजार लोग, सवाल, यह नहीं है । सवाल प्रेस के दुख का है प्रेस को आज अगर उन्होंने.... (*व्यवधान*) एक मिनट सुनिए । अगर प्रेस के साथ पूछताछ हुई है और उन लोगों ने किसी वजह से बहिष्कार किया है, हाउस में नहीं आए हैं, तो उसके पीछे क्या है, यह मुद्दा है ।

डा० मुरली मनोहर जोशी : मैडम्, प्रेस वालों को किसने इंटीमीडेट किया ? किसने उनको आने से रोका ? किसके हुकम से रोका ?

उपसभापति : बोलिए, जरा उन्हें बोलने दीजिए ।

श्री प्रमोद महाजन : कम से कम यह इतना तो बता दें कि आई० बी० और दिल्ली पुलिस के कितने लोग उन्होंने स्पीकर साहब के पास दिए हैं... (*व्यवधान*)

उपसभापति : श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी जी को बोलने दीजिए ....

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Now I am only raising an important point. It is not a question of the General Purposes Committee now trying to

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

[Shri Subramanian Swamy]

find out what has happened. What we just see here is the Deputy Chairman of the House doesn't know, the Leader of the House who also happens to be the Home Minister also doesn't know. How can such a serious lapse take place? How can a major development of this kind take place without the knowledge of either the Deputy Chairman or the Home Minister? This ought to be really inquired into and we should see that such things do not happen in future. Naturally if something like this happens to the press people, it is to our disadvantage.

SHRI SUKOMAL SEN: How can the police enter without the knowledge of the Home Minister? The Home Minister must be informed about it.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): The issue is not one of technicalities. I humbly submit it is not a matter of technicality. It is not a matter of convening a joint meeting of the General Purposes Committee. The position is, I as a Member feel obstructed by the environment in the Parliament House, by the environment in the Parliament compound which seems to be against any form of normal parliamentary norm. It is a suffocating situation. We are here in the Parliament for a number of days. On a number of ocmasions, we have to take up the time of the House in compalinlng that our freedom is sought to be interfered with. We have not been able to bring our cars. We have not been able to speak to the people. Even the members of the press are not being allowed to speak to us. Even the press people had to take recourse to strike. If thls is the situation, if this is the environment in the Parliament House, while the Housing is going on, we can very well imagine the way in which general harassment is going on. Therefore, I express my serious concern. It pollutes the atmosphere. It creates suffocatlon. I call upon the hon. Chairman, Madam Deputy Chairperson and also the Government to ensure that the press people do not feel harassed. (*Interruption*... It is suffocation... (*Interruptions.*)... Even in the days of Emergency, this situation was ot there in the Parliament.

श्री चिटठलभाई मोतीराम पटेल (गुजरात) : महोदया, उनको यह भी पता नहीं है ...

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहेबा, मेरी तजवीज यह है कि 15 मिनट के लिए हाउस एडजार्न करें और चयरमंन साहब के साथ बैठकर बातचीत करे।

†[شری سکندر بخت: صدر صاحبہ-
میری تجویز یہ ھے کہ ۱۵ منٹ
کیلئے ھاوس ایڈجرن کریں اور چیر
مین صاحب کے ساتھ بیٹھکر بات
چیت کریں -]

Let the House be adjourned for fifteen minutes. Let us sort it out.

उपसभापति : आप एक मिनट के लिए चुप हो जाएंगे ? It is for me to adjourn the House or not. Let me allow other Members to speak. He is also concerned about the press people. Let him speak.

श्री चिटठलभाई मोतीराम पटेल: महोदया, एक सैक्युरिटी वाले को इतना भी पता नहीं है कि जर्नलिस्ट कौन हैं, चपरासी कौन है। कल एक चपरासी को कहा कि आइडेंटिटी कार्ड लाओ जब कि उनको इतना तो पता होना चाहिए कि आइडेंटिटी कार्ड पत्रकार को दिया जाता है, चपरासी को नहीं देते हैं। वह चपरासी को बोला कि आइडेंटिटी कार्ड नहीं लाएगा तो तुम को अंदर नहीं आने देंगें। चपरासी सालों से यहां पर पेपर और मैसेज लेकर आते हैं। उनके साथ भी ऐसा किया जाता है.. **(व्यवधान)**..

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now there is one suggestion by Mr. Sikander Bakht that we should adjourn the House and meet the Chairman. But I have one problem. Today we have to adjourn

+[ ] Transliteration in Arabic Script.

the House at 1 o'cock. I have a lot of business lying before me. How am I going to complete it?...(*Interruptions*)... If all the Members want me to adjourn the House, I can adjourn. You can meet the Chairman. I can adjourn the House for ten or fifteen minutes.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I suggest, let the leaders of all the political parties go and meet the Chairman.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Let the House run and leaders of all parties go and discuss.

श्रीमति सुषमा स्वराज (हरियाणा) : कई दिनों से लंच ग्रवर स्किप कर रहे हैं ग्राज भी हम लंच ग्रवर स्किप करें । ग्राज एक बज न उठें । . . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the House agrees that we should dispense with the lunch-hour, we will dispense with it.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: We should dispense with it. No lunch hour today. (*Interruptions*)

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : चयरमैन साहब के साथ बैठकर बात कर लें । . . . (**व्यवधान**) . . . समस्या का समाधान निकाल सकते हैं । (**व्यवधान**) जनरल परपज कमेटी है उसमें इस का समाधान कर सकते हैं । (**व्यवधान**) एडजार्न करने की ग्रावश्यकता नहीं है । हाउस की प्रोसीडिंग चलनी चाहिए । . . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, we have many issues to raise.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know that there are many issues. (*Interruptions*).

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): Madam, please give us also some time. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: How can I make people silent? I do not have any means. Let a device come by which I can stop Members speaking. I have not been supplied with any such device now. I can only persuade Members to sit down.

SHRI N. E. BALARAM: Madam, I have a suggestion to make. I am not in favour of adjourning the House now.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. We will not adjourn.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: Let there be a brief adjournment for ten minutes. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let leaders go and discuss. We are not adjourning. I am not adjourning the House.

SHRI P. UPENDRA: Madam, we are mixing up three things here. One is the freedom of the Press and the facilities for them to function without being disrupted in their business. That is a different thing. The second thing is the surveillance and the third is the security aspect. I believe there was a meeting some time ago in the Speaker's Chamber in regard to the security of the building.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are not discussing matters of the other House, please. That matter is over. I am not talking anything about surveillance.

SHRI P. UPENDRA: Madam, please listen. These are not things to be discussed in the House and decided here. (*Interruptions*). Madam, my suggestion is, these are not things to be decided in the House. You can kindly take up these things in the Chairman's Chamber with the leaders of all the parties and discuss them. Let us not waste the time of the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am asking the leaders to go and meet the Chairman.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मेरी तजवीज का क्या हुग्रा यह तो बताइये । (**व्यवधान**)

†[شری سکندر بخت: صدر صاحبہ۔ میری تجویز کا کیا ہوا یہ تو بتائیں .. (مداخلت) ..

SHRI KAMAL MORARKA: Please adjourn the House. No work will go on unless we are free o function. (*Interruptions*).

श्री दिग्विजय सिंह : यह हम लोगों का काम नहीं है कि सरकार के बिल पास करें जब कि हमारे राइट्स पर कुठाराघात हो रहा है। (**व्यवधान**) सरकार की नीयत क्या है, हाउस की नीयत क्या है यह हम जानना चाहते हैं । (**व्यवधान**) हम को अखबार वालों से मिलने नहीं दिया जाता और आप कहते हैं कि प्रोसीडिंग चलने दी जाय । (**व्यवधान**)

SHRI SIKANDER BAKHT: Let us, first of all, try to get this sorted out.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. The suggestion was from the Leader of the Opposition. I adjourn the House for 15 minutes.

The House then adjourned at thirty-nine minutes past twelve of the clock.

The House reassembled at one of the clock, the Deputy Chairman in the Chair.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, I think we have to adjourn again for lunch. Before I adjourn for lunch, I have one business. (*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदया, मुझे आपत्ति है । राज्य सभा का कोई नियम यह नहीं कहता कि शुक्रवार को लंच होगा .. (**व्यवधान**) .. ।

Madam, I want to speak. (*Interruptions*)*

+[ ] Transliteration in Arabic Script.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, I protest against this. It is an attempt to raise a divisive issue ... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: We had enough controversy over here. (*Interruptions*). If the House agrees, I will agree. ... (*Interruptions*).

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Madam, there is no rule ... (*Interruptions*)*

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : महोदया, रोज लंच स्किप हो रहा है । आज कोई काम नहीं हुआ । जीरो आवर पड़ा है, स्पेशल मेंशन्स पड़े हैं .. (**व्यवधान**)।

श्री एस० एस० अहलुवालिया (बिहार) : आज आपको क्या का बहुत दर्द है, आपको आज ही काम करना है ? रोज काम के प्रति आपको कितना दर्द है, यह हमें मालूम है आप यह जबर्दस्ती नहीं कर सकत ... (**व्यवधान**) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Every day, I take the sense of the House. Please sit down. (*Interruptions*) I always take the sense of the House. Yesterday, I said that I am not a dictator. I don't take arbitrary decisions. I run this House with the cooperation of the Members. If the Members want to continue, I will continue. If the Members want to go, I will go. I have no authority other han the House. (Interruptions)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Madam, you must here those who want to continue. (*Interruptions*). I can narrate several instances. (*Interruptions*)

विपक्ष के नेता (**श्री सिकन्दर बख्त**) : सदर साहिबा, . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : सिकन्दर बख्त साहब को बोलने दीजिये . . . . . (**व्यवधान**) मुझे तो केसरी जी का बिल इन्ट्रोड्यूस कराना है ।

Let me get the Bill introduced. I will listen to you afterwards.